

## भारत में सर्पदंश से हुई मौत

### प्रीलमिस के लिये:

वेनम और एंटी-वेनमस

### मेन्स के लिये:

सर्पदंश के उपचार हेतु WHO की पहल एवं भारत में सर्पदंश के कारण होने वाली मौतों की स्थिति

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में कनाड़ा स्थिति 'टोरंटो विश्वविद्यालय' (University of Toronto) के 'सेंटर फॉर ग्लोबल हेल्थ रसिरच' (Centre for Global Health Research-CGHR) द्वारा यूनाइटेड कंगडम (United Kingdom-UK) के सहयोग से भारत में पछिले 2 दशकों (20 वर्षों) में सर्पदंश/सांप के काटने से होने वाली मौतों का अध्ययन किया गया है।

### प्रमुख बातें:

- इस अध्ययन के अनुसार, भारत में पछिले 20 वर्षों अर्थात् वर्ष 2000 से वर्ष 2019 की अवधि में सर्पदंश से मरने वालों की संख्या 1.2 मिलियन (12 लाख) दर्ज की गई है।
- 'भारत में वर्ष 2000 से वर्ष 2019 तक सर्पदंश से होने वाली मौतों के बारे में एक राष्ट्रीय प्रतनिधिमृत्यु दर अध्ययन' (Trends in Snakebite deaths in India from 2000 to 2019 in a Nationally Representative Mortality Study) शीर्षक में बताया गया है कि भारत में अधिकांश मृत्यु जहरीले रसेल वाइपरस (Russell's Viper) क्राइटिस (kraits) तथा कोबरा (Cobras) साँपों के काटने से होती हैं।

### रसेल वाइपर:

- रसेल वाइपर वाइपरडि परविर में विषिले सांप की एक प्रजाति है।
- इस परविर जस्तिमें विश्व के पुराने विषिले वाइपर शामिल हैं।
- यह प्रजाति एशिया में पूरे भारतीय उपमहाद्वीप, दक्षिण पूर्व एशिया, दक्षिणी चीन और ताइवान में पाई जाती है।

### क्रेट:

- इसे भारतीय क्रेट या बलू क्रेट के रूप में भी जाना जाता है।
- यह भारतीय में पाई जाने वाली विषिले सांप की एक प्रजाति है।

### कोबरा:

इसे नागराज भी कहा जाता है।

- यह विश्व का सबसे लंबा विषिला सांप है।
- सांप की यह प्रजातिदिक्षणि पूर्व एशिया एवं [भारत](#) में पाई जाती जाती है।
- यह एशिया के सर्वाधिक खतरनाक सांपों में से एक है।

### भारत में सर्पदंश का क्षेत्रवार विवरण:

- अध्ययन में बताया गया है कि इस अवधि (वर्ष 2000-वर्ष 2019) के दौरान सर्पदंश से होने वाली वार्षिक मौतों का औसत 58 हजार रहा है।
- देश के आठ राज्यों के ग्रामीण क्षेत्रों में सर्पदंश के कारण लगभग 70% मौतें देखी गई हैं, जिनमें शामिल राज्य हैं-
  - बहिर, झारखण्ड, मध्य प्रदेश, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश (तेलंगाना सहित), राजस्थान तथा गुजरात राज्यों के ग्रामीण क्षेत्र।

- अध्ययन के अनुसार, सर्पदंश के कारण आधे से अधिक मौतें जून से सत्रिंबर माह में मानसून की अवधि के दौरान हुई हैं।
- सर्पदंश से सर्वाधिक मौतें ग्रामीण क्षेत्रों में हुई हैं जो 97% हैं।
- पुरुषों में सर्पदंश के कारण मृत्यु का प्रतशित 59% है जो महिलाओं की तुलना में 41% अधिक है।
- सर्पदंश के कारण मरने वालों की सर्वाधिक संख्या 15-29 वर्ष के बीच के लोगों की रही है जो 25% है।
- सर्पदंश के कारण वार्षिक आधार पर सर्वाधिक मृत्यु वाले राज्य:
  - उत्तर प्रदेश-8,700 हजार
  - आंध्र प्रदेश-5,200 हजार
  - बिहार-4,500 हजार



## भारत में सर्पदंश के उपचार में समस्या:

- खराब प्रशिक्षित डॉक्टर तथा एंटी- वेनम की कमी का होना।
- एंटी- वेनम के नरिमाण के लिये वन वभिग की अनुमति की आवश्यकता जो कठिकई चरणों की लंबी प्रक्रिया है।
- एंटी-वेनम के नरिमाण/परीक्षण के लिये घोड़ों की आवश्यकता होती है, जिसके लिये एक बड़ी जगह की आवश्यक होती है। नजी कंपनियों के लिये यह एक खर्चीली प्रक्रिया है।

## सर्पदंश से सुरक्षा हेतु उपाय:

- सर्पदंश के सर्वाधिक मामले ग्रामीण क्षेत्रों में आते हैं जनिमें कृषक समुदाय शामिल हैं। वशिष्जज्ञों का सुझाव है करेसे क्षेत्रों को लक्षित करना एवं सुरक्षा के संदर्भ में सरल तरीकों से लोगों को शक्तिशाली करना जैसे- रबर के जूते, दस्ताने, मच्छरदानी और रचिरजेबल मशालों (या मोबाइल फोन फैलैशलाइट) का उपयोग कर सर्पदंश के जोखिम को कम किया जा सकता है।
- लोगों को विशेष सर्पों की प्रजातियों के बारे में बताना तथा सांप के काटने के कारण मानव स्वास्थ पर पड़ने वाले हानकारक एवं जानलेवा प्रभावों के बारे में लोगों को जानकारी देना।
- Indiansnakes.org वेबसाइट पर सांपों के नविस स्थान का विवरण, भौगोलिक वितरण एवं स्पष्ट तस्वीरें उपलब्ध होती हैं जिसे एंड्रॉइड फोन के माध्यम से डाउनलोड करके ज़हरीले सांपों के बारे में जाना जा सकता है।

## इस दिशा में विश्व स्वास्थ्य संघर्षन का प्रयास:

- '[विश्व स्वास्थ्य संगठन](#)' (World Health Organization- WHO) सर्पदंश को एक सर्वोच्च प्राथमिकता वाली उपेक्षित उष्णकटिंधीय बीमारी (Neglected Tropical Disease- NTD) के रूप में मान्यता प्रदान करता है।
- 'विश्व स्वास्थ्य संगठन' द्वारा वर्ष 2030 तक सर्पदंश के कारण होने वाली मौतों की संख्या को आधा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।
- एंटीवेनम को सुलभ और सस्ती बनाने के लिये WHO की योजना गुणवत्ता एंटीवेनम्स का उत्पादन बढ़ाने की है।
- एंटीवेनम के लिये स्थायी बाजार उपलब्ध कराने के लिये वर्ष 2030 तक एंटीवेनम नरिमाण में 25% वृद्धिकी आवश्यकता है।
- WHO द्वारा वैश्विक एंटीवेनम के उत्पादन/स्टॉक के लिये एक पायलट प्रोजेक्ट की योजना बनाई।

## वेनम (Venoms) और एंटी-वेनम्स (Anti-Venoms):

- वेनम:
  - विशेष एक प्रकार का स्राव है।

- इसमें एक जानवर द्वारा उत्पादित एक या एक से अधिक विषाकृत पदारथ शामिल होते हैं।
  - इसका स्राव कशेशुकी और अकशेशुकी दोनों तरह के जानवरों में अपनी रक्षा के दौरान या फरि शक्तिकार करते समय किया जाता है।
  - सांप का विष एक उच्च संशोधित लार है जिसमें जूटांक्सनि होता है जो शक्तिकार को मारने एवं उसे पचाने में सहायक होता है।
- एंटी-वेनम्:
- एंटीवेनम्, विष या विष घटकों के खलिफ शुद्ध एंटीबॉडी है।
  - एंटीवेनम् का उत्पादन जानवरों द्वारा बनाए गए एंटीबॉडी से किया जाता है।
  - इसका उपयोग वेनम के असर को समाप्त करने के लिये किया जाता है।

## नष्टिकरण:

भारत में प्रयाप्त मात्रा में एंटी-वेनम बनाने की प्रयाप्त क्षमता मौजूद है। अतः ऐसे में भारत में विषले सांप प्रजातियों के वितरण की बेहतर समझ विकसित कर और अधिक उपयुक्त एंटी-वेनम को विकसित किया जा सकता है।

## स्रोतः द हट्टि

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/snakebite-deaths-in-india>

